



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
कानपूर, उत्तर प्रदेश



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 15-07-2025

खेरी(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन : 2025-07-15 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-07-16	2025-07-17	2025-07-18	2025-07-19	2025-07-20
वर्षा (मिमी)	10.0	21.0	7.0	4.0	10.0
अधिकतम तापमान(से.)	34.0	33.0	32.0	35.0	36.0
न्यूनतम तापमान(से.)	25.0	25.0	25.0	25.0	26.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	92	96	98	93	91
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	62	59	68	57	55
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	7	9	9	4	1
पवन दिशा (डिग्री)	93	85	101	95	72
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	7	7	5	5
चेतावनी	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	कोई चेतावनी नहीं	भारी वर्षा; आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	कोई चेतावनी नहीं	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि

पूर्वानुमान सारांश:

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, आगामी पाँच दिनों में मध्यम से घने बादल छाए रहने के कारण दिनांक 12 से 16 जुलाई, 2025 के मध्य स्थानीय स्तर पर गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। अधिकतम तापमान 32.0-36.0°C के मध्य रहेगा, जो सामान्य से 1-2°C अधिक रहने की संभावना है तथा न्यूनतम तापमान 25.0-26.0°C के मध्य रहेगा, जो सामान्य से 1-2°C अधिक रहने की संभावना है। सापेक्षिक आर्द्रता की अधिकतम एवं न्यूनतम सीमा 91-98% तथा 55-68% के मध्य रहेगी। हवा की दिशा उत्तर-पूर्व, दक्षिण-पूर्व रहेगी तथा हवा की गति 1.0-9.0 किमी प्रति घंटा रहेगी, तथा सामान्य से 2-3 किमी प्रति घंटा अधिक गति से हवा के झोंके आने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 16-20 जुलाई, 2025 के मध्य स्थानीय स्तर पर तेज हवाओं और गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश की चेतावनी है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

आगामी सप्ताह में हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे धान की तैयार पौध की रोपाईं शीघ्र पूरा करने का प्रयास करें। धान की फसल को छोड़कर शेष फसलों में सिंचाई का कार्य न करें। खरीफ फसलों की बुवाई का कार्य वर्षा न होने की दशा में करें। वर्षा ऋतु में पशुओं को खुले स्थान पर न बांधें और न ही उन्हें चरने के लिए बाहर छोड़ें।

सामान्य सलाहकार:

धान की तैयार पौध की रोपाईं शीघ्र पूरा करें तथा वर्षा न होने की दशा में मूँगफली, ज्वार, तिल एवं अरहर आदि की बुवाई का कार्य करें। धान के खेतों की मेड़ों को मजबूत बनायें। जिससे बरसात का पानी खेतों में रुका रहे। कीटनाशकों, रोगनाशी और खरपतवारनाशी रसायनों के लिए, केवल साफ पानी से उपकरणों को धोने के लिए उपयोग करें और हवा की विपरीत दिशा में खड़े होकर कीटनाशी, रोगनाशी और खरपतवारनाशी स्प्रे न करें। यदि संभव हो तो, छिड़काव करने के बाद, खाने से पहले और कपड़े धोने के बाद हाथों को साबुन से अच्छी तरह से धोना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

किसानों को सूचित किया जाता है कि धान की तैयार पौध की रोपाईं शीघ्र पूरा करें तथा वर्षा न होने की दशा में मूँगफली, ज्वार, तिल, उर्द एवं अरहर आदि की बुवाई का कार्य करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	धान की तैयार पौध की रोपाईं शीघ्र पूरा करें धान के पौध की रोपाई के लिए खेतों के मेड़ों को मजबूत करें। जिससे बरसात का पानी खेतों में रुका रहे। धान की फसल में चौड़ी एवं संकरी पत्ती के खरपतवार के नियंत्रण के लिए रोपाई के २-३ दिन के अन्दर अनिलोफॉस ३० % ई.सी. या प्रिटलाक्लोर १.२५ लीटर/हे० की दर से ५०० -६०० लीटर पानी में घोल बनाकर २-३ इंच पानी छिड़काव करें। धान की रोपाई के १५ - २० दिन बाद बिसपायरीबैक सोडियम १० एस०सी० ०.२० लीटर/हे० की दर से ५०० -६०० लीटर पानी में घोल बनाकर उचित नमी की स्थिति में करें। धान में खैरा रोग दिखाई दे रहे हो तो इसके नियंत्रण हेतु २०-२५ किलोग्राम जिंक सल्फेट व २.५ किलोग्राम चूना ८०० लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
मक्का	वर्षा न होने की दशा में निराई -गुड़ाई कार्य करें तथा अत्यधिक वर्षा जल निकास का उचित प्रबन्ध करें। समय से बोई गई मक्के की फसल में प्रथम निराई-गुड़ाई १५-२० दिन बाद करें।
तिल	अत्यधिक वर्षा जल निकास का उचित प्रबन्ध करें। तिल के फसल की संस्तुति किस्मों- टाइप-४, १२, १३, टाइप -७८, शेखर, प्रगति, तरुण, आर टी -३५१ और आर टी -३४६ आदि में से किसी एक किस्म की बुवाई का कार्य आसमान साफ होने पर करें।
मूँगफली	अत्यधिक वर्षा जल निकास का उचित प्रबन्ध करें। खरीफ मूँगफली की संस्तुति संकर किस्म- चित्रा, कौशल, प्रकाश, अम्बर, उत्तकर्ष, दिव्या, कौशल-गुच्छेदार किस्म- चंद्रा, टा -२८, ६४ एम -१३ आदि की बुवाई करें और मूँगफली की बुवाई के लिए ७०-८० किग्रा / हेक्टेयर की दर से बुवाई का कार्य आसमान साफ होने पर करें।
काला चना	खरीफ में बोई जाने वाली उर्द की संस्तुति जातियां- नरेन्द्र उर्द-१, आजाद उर्द-२, आजाद उर्द-३, शेखर-१, शेखर-२, शेखर-३, पन्त यू-३० आदि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए १२ -१५ किलोग्राम बीज/ हेक्टेयर की दर से खाद एवं बीज की व्यवस्था कर बुवाई का कार्य वर्षा न होने की दशा में करें।
गन्ना	खेत से अधिक वर्षा जल निकास का उचित प्रबंधन करें। गन्ने के जिन खेतों में पौधे निकल आए हों उनमें मिट्टी चढ़ा दें। सफेद लट के नियंत्रण के लिए लाइट ट्रेप या पौधों पर कीटनाशी छिड़काव कर नियंत्रण करें। शरद कालीन गन्ने को गिरने से बचाने के लिए बंधाई अवश्य करें। खड़ी गन्ने की फसल में खरपतवार नियंत्रण हेतु निराई-गुड़ाई का कार्य करें। चोटी बेधक कीट के नियंत्रण हेतु क्लोरेन्ट्रोनिलीप्रोल १८.५ एस.सी.

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
	के 150-200 मि.ली. कीटनाशक दवा को 400 -500 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	खरीफ में बोई जाने वाली सब्जी बैंगन, मिर्च, अगेती फूलगोभी की नर्सरी व भिन्डी, लोबिया, कद्दू, लौकी, तरोई, करेला, खीरा आदि की बुवाई का उपयुक्त समय हैं। सब्जियों की फसलों में तना /फल/पत्ती छेदक कीट की रोकथाम हेतु नीम आयल 1.5-2.0 मिली/लीटर पानी में घोल बनाकर 3 -4 छिड़काव 8 -10 दिन के अन्तराल पर करें। कद्दूवर्गीय फसलों में हरा फुदका एवं सफेद मक्खी कीट के नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोप्रिड 30.5 प्रतिशत 1.0 मिली. रसायन की मात्रा को प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें तथा फल मक्खी से बचाने हेतु क्यू ल्योर फेरोमोन ट्रैप 8-10 ट्रैप प्रति हे० की दर से लगायें।
आम	फलदार बागों की रोपाई हेतु मई माह में खोदे गये गड्ढों की भराई करने के लिए ऊपर की आधी मिट्टी में सड़ी हुई खाद की गोबर को मिलाकर जमीन की सतह से 15 से 20 सेन्टीमीटर ऊपर तक भराई कर लें। अमरूद फलों में फलमक्खी से बचाव हेतु मिथाइल यूजिनाल एवं क्यू ल्योर ट्रैप 8-10 ट्रैप प्रति हे० में 6 से 8 फिट की ऊंचाई पर टहनियों में बांध कर लटकाए तथा नीम एक्स्ट्रैक्ट 5 प्रतिशत प्रति लीटर पानी में घोलकर 10-15 दिन के अन्तराल पर छिड़काव करें तथा 20-25 दिन के अन्तराल पर ल्योर को बदलते रहे।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भैंस	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पशुबाड़े में बाह्य परजीवी की रोकथाम हेतु चूने का छिड़काव करें। पशुओं को वर्षा के दौरान खुले स्थान/पेड़ के नीचे न बांधें। पशुओं को रात के समय आसमान साफ होने पर ही खुले में बांधें। पशुओं को दिन के समय छायेदार स्थान पर बांधें। पशुओं को खुरपका-मुँहपका रोग की रोकथाम हेतु एफ.एम.डी. वैक्सीन तथा लगड़िया बुखार से बचाव हेतु वी.क्यू. वैक्सीन से टीकाकरण कराये। पशुओं को हरे और सूखे चारे के साथ पर्याप्त मात्रा में अनाज दें। पशुओं को साफ एवं ताजा पानी दिन में 3 -4 बार अवश्य पिलायें। गर्भित पशुओं को ढलान वाले स्थान पर न बांधें। पशुओं को पेट में कीड़ों की रोकथाम के लिए कृमिनाशक दवा देने का उचित समय है।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मुर्गियों को भोजन में पूरक आहार, विटामिन और ऊर्जा खाद्य सामग्री मिलाएं और साथ ही साथ कैल्शियम सामग्री भी मुर्गियों को दें। मुर्गियों के पेट में कीड़ों की रोकथाम (डिवमिर्ग) के लिए दवा दें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 16-20 जुलाई, 2025 के मध्य स्थानीय स्तर पर तेज हवाओं और गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश की चेतावनी है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

आगामी सप्ताह में हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे धान की तैयार पौध की रोपाई शीघ्र पूरा करने का प्रयास करें। धान की फसल को छोड़कर शेष फसलों में सिंचाई का कार्य

न करें। खरीफ फसलों की बुवाई का कार्य वर्षा न होने की दशा में करें। वर्षा ऋतु में पशुओं को खुले स्थान पर न बांधें और न ही उन्हें चरने के लिए बाहर छोड़ें।

Farmers are advised to download Unified Mausam and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details/>

Meghdoot MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details>

Damini MobileApp link : <https://play.google.com/store/apps/details>